

---

ketumangalastotram

केतुमङ्गलस्तोत्रम्

Document Information



---

Text title : ketumangalastotram

File name : ketumangalastotram.itx

Category : navagraha, mangala

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Latest update : September 18, 2022

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 18, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

ketumangalastotram

---

केतुमङ्गलस्तोत्रम्

---



केतुर्जेमिनिगोत्रजः कुशासमिद्धायव्यकोशोस्थितः

चित्राङ्गुध्वजलाञ्छनोऽखिलगवान्यो दक्षिणाशामुभः ।

ब्रह्मायैवतु चित्रगुप्तपतिमान्प्रीत्याधिदेवस्सदा-

षट्त्रिस्थशुभ कृष्य बर्बरपतिः कुर्यात्सदा मङ्गलम् ॥

प्रार्थना

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।

पूजं नैव हि जानामि क्षमस्व परमेश्वर ॥

मन्त्रादीनां क्रियादीनां भक्तिदीनां सुरेश्वर ।

यत्पूजितं मया देव परिपूर्णा तदस्तु मे ॥

अनेकगुणवर्णैश्च शतशोऽथ सलस्रशः ।

उत्पातगुणो जगतां पीडां हरतु मे शिषी ॥

अनया पूजया केतुः प्रीयताम् ।

ॐ केतवे नमः । ॐ शिषिने नमः ।

ॐ रुद्रप्रियाय नमः ।

ॐ शान्तिः ॐ शान्तिः ॐ शान्तिः ॐ ॥

एति श्रीकेतुमङ्गलस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥


Some books in print reverse tamaH and shikhI

in the navagraha pIDAharaStotram.

Check the 108 names also.

---

pdf was typeset on September 18, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

